हिंदुस्तान 28/03/2024

...हवा हर रोज प्रदूषणमुक्त की जाएगी।
मोटरसाइकिल प... ...एससी शुक्ला ने यह जानकारी दी।
सेन्ट्रल आरएस ...

सब्जियों की तबाही बन मंडरा रहे पश्चिमी विक्षोभ

मौसम का मिजाज

इन बातों का रखें ध्यान

सीएसए के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि 30 या 31 को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कानपुर समेत कई जिले ओलावृष्टि व बारिश की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में किसानों को सिंचाई से बचना चाहिए, जो फसलें काट चुके हैं उसे खुले में न छोड़ें।

सीजन का सबसे गर्म दिन

हल्की बदली के बावजूद तापमान चढ़ गया। बुधवार को सीजन (मार्च) का सर्वाधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम पारा 34.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रात का तापमान 16.8 से 17.4 डिग्री पर आ गया। नमी का प्रतिशत तो गिरा लेकिन सीजन का सबसे कम नहीं रहा। मौसम विभाग का कहना है कि गुरुवार से बादल छाएंगे। शनिवार या रविवार को बारिश होगी।

- **लगातार दो पश्चिमी विक्षोभों से फसलें संकट में, कई पर होगा असर**
- **30 मार्च को ओलावृष्टि व बारिश की संभावना, होगा नुकसान**

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। पश्चिमी विक्षोभों की लगातार दस्तक किसानों की चिंताएं बढ़ा रही है। मंगलवार के बाद अब शनिवार को फिर नया विक्षोभ तैयार है। इसका असर कानपुर और आसपास के जनपदों पर भी पड़ेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश लगातार इन विक्षोभों की चपेट में है। इससे सब्जियों के साथ दलहनी फसलों को बड़ा नुकसान हो सकता है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम विभाग ने किसानों को अलर्ट किया है।

पश्चिमी विक्षोभों का सिलसिला थम नहीं रहा है। दिल्ली से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में लगातार ओलावृष्टि और बारिश हो रही है। 30 मार्च को आने वाले नए विक्षोभ से कानपुर समेत आसपास के कई जिलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। ओलावृष्टि से लेकर हल्की से मध्यम बारिश तक हो सकती है।

गेहूं और दलहन पर पड़ेगा असर : ओलावृष्टि और बारिश से गेहूं और दलहन में उड़द व मूंग को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसके अतिरिक्त जेठवा मक्का की फसल भी प्रभावित होगी। शेष बचा गेहूं भी चपेट में आएगा। आलू और तिलहन को मामूली नुकसान हो सकता है।

ककड़ी और तरबूज पर असर : ककड़ी, तरबूज, खरबूजा, खीरा आदि की फसलों पर भी असर पड़ना तय है। ये महंगी हो सकती हैं।

अध्यक्ष इ... और रोहि... टन रोड, चौक, ...लेश्वर मंदिर

हिंदुस्तान 280/3/2024

मशीन से की जाएगी धान की रोपाई

■ अभिषेक सिंह

■ सीएसए कम लागत में जापानी तकनीक वाली मशीन से कराएगा

■ मैन्युअल आता है 5000 रुपये प्रति एकड़ खर्च तो मशीन से आएगा 2500 रुपये

"जापानी तकनीक से धान रोपाई में समय व लागत दोनों की बचत होगी। किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समूह के रूप में किसानों की मांग पर जापानी तकनीक वाली मशीन से उनके खेतों में धान की रोपाई कराई जाएगी।

डॉ. आनंद कुमार सिंह, कुलपति-सीएसए विवि

कानपुर। धान की रोपाई के लिए न तो मजदूरों की लंबी फौज तलाशनी होगी और न ही समय की बर्बादी होगी। क्योंकि जापानी तकनीक से अब मशीन खेतों में धान की रोपाई करेगी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की ओर से किसानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही, किसानों के समूह की मांग पर विवि कम लागत में जापानी तकनीक वाली मशीन से खेतों में रोपाई कराएगा। जल्द ही विवि मक्का व गेहूं की बुआई का काम भी मशीन से कराएगा।

सीएसए विवि ने जापान के साथ एक समझौता किया है। जिसके तहत जापानी कंपनी कुबोटा अपनी पैडी ट्रांसप्लांटर हस्तचलित व पावरचलित मशीन का प्रदर्शन विवि में कर रही है। विवि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की पहल के चलते इस मशीन के माध्यम से किसानों को धान रोपाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सामान्यतां मैन्युअल रूप से प्रति एकड़ धान की रोपाई में 5000 रुपये का खर्च आता है। जबकि मशीन से सिर्फ 2500 रुपये। वहीं मशीन से तीन एकड़ खेत की रोपाई सिर्फ 8 घंटे में हो जाती है। जबकि मैन्युअल रूप से यह काम पांच मजदूर करते हैं। अब तक इस मशीन के माध्यम से कानपुर और कानपुर देहात के किसान व महिला किसानों को प्रशिक्षित किया गया है। विवि में किसानों की ओर से लगातार फोन आ रहे हैं।